चलो पता करें

ऐसे भी सवाल होते हैं

कई ऐसे सवाल होते हैं जिनके उत्तर पुस्तकों में नहीं होते। जैसे तुम्हारे गाँव की जनसंख्या क्या है? यानी तुम्हारे गाँव में कुल कितने परिवार या कितने लोग रहते हैं? इस सवाल का जवाब तुम कैसे पता करोगे? गुरुजी से या सरपंच से या फिर पटवारी से। हो सकता है कि इनके उत्तरों में कुछ अंतर भी हो। तब तुम किस उत्तर को सही मानोगे। वैसे तो यह जानकारी हर 10 वर्षों में इकट्ठा की जाती है। इसे जनगणना कहते हैं। पिछली जनगणता 1991 में की गई थी यानी 9 साल पहले। तुम्हारे गाँव की जनगणता की जानकारी पटवारी के पास होगी पर उसके बाद तुम्हारे गाँव की जनसंख्या काफी बदल गई होगी। बच्चों के पैदा होने, लोगों की शादियाँ और मृत्यु हो जाने से जनसंख्या बदलती रहती है।

आज तुम्हारे गाँव में कितने लोग रहते हैं, यह पता करने के लिए, तुम्हें हर घर से यह जानकारी लेनी होगी और फिर उन्हें जोड़ना पड़ेगा। यह काफी बड़ा काम है। पर अगर पूरी कक्षा के बच्चे मिलकर करें तो जल्दी हो जाएगा।

शायद तुम सोच रहे होगे कि गाँव में कितने लोग हैं यह जानना इतना ज़रूरी क्यों है? यह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि जहाँ भी लोग रहते हैं उनकी ज़रूरतें होती हैं जैसे पानी, ईंधन, खाने पीने की चीज़ें, कपड़ा, मकान बनाने की सामग्री, स्कूल, अस्पताल, आदि। अधिक लोग होंगे तो ज़रूरतें बढ़ेंगी और कई चीज़ों की कमी भी होगी। इन जरूरतों को जानना काफी नहीं होगा, पूरा करने के तरीके भी पता करने होते हैं। ऐसी जानकारी ही समस्या सुलझाने का आधार बनती हैं।

चलो पता करें

तो चलो ऐसे कुछ सवालों के उत्तर ढूँढने के लिए सब मिलकर सर्वे करते हैं। घर–घर जाकर पता करते हैं। कुछ चीज़ें तुम्हें पहले से पता होंगी। पर कई रोचक जानकारियाँ भी तुम्हें मिलेंगी।

सवाल दो तरह के

सवाल दो तरह के हैं– पानी के बारे में और ईंधन के बारे में। क्या तुम्हारे गाँव में उपयोग के लिए पानी पर्याप्त है? पानी के स्रोत क्या–क्या हैं? ईंधन कन है? अधिक है? पर्याप्त है?

इन प्रश्नों के उत्तर ढूँढने के लिए तुम्हें पहले तो गाँव में परिवारों और लोगों की संख्या पता करनी होगी। और क्या–क्या पता करना होगा? आपस में और गुरुजी के साथ चर्चा करके तय करो। इनकी जानकारी कैसे इकट्ठा करोगे यह भी तय करो गलीवार या मोहल्लावार!

इस जानकारी पर चर्चा करेंगे तो समझ में आएगा कि गाँव में कितने पानी या ईंधन का ज़रूरत है? क्या इनकी कोई कमी भी है? क्या कोई बचत भी की जा सकती है? इस जानकारी को हम एक सर्वे के माध्यम से इकट्ठा कर सकते हैं।

सर्वे कैसे करें

शिक्षक की मदद से 2–2 के समूह में बँट जाओ। यह ध्यान रखना कि दोनों एक मोहल्ले या आसपास के हों तो अच्छा होगा।

हर टीम एक मोहल्ले गली के बारे नें जानकारी इकट्ठा करेंगी (8–10 घर से)। ध्यान रहे कि हर मोहल्ले में कम से कम एक टीम जाए।

हमें इस सर्वे में लागों से यह जानकारी इकट्ठी करनी है–

परिवार में लोगों की संख्या, पानी के स्रोत, दिन में वे कितना पानी का उपयोग करते हैं, वे कौन–कौन सा ईंधन उपयोग करते हैं। वे प्रति हफ्ते कितने ईंधन का उपयोग करते हैं।

हो सकता है कि लोग तुरन्त उत्तर न दे सकें। उन्हें ध्यान से सोचकर बताने दो। उनकी मदद के लिए कुछ ऐसे सवाल पूछ सकते हो जैसे– वे कितने बार पानी भरने जाते है? हर बार वे कितने बाल्टियाँ या गुंड लाते है आदि। उनके पशु या अन्य काम (नहाने और धोने का काम) के लिए उनको कितने पानी की ज़रूरत पडती है।

ईंधन के बारे में इस तरह के सवाल होंगे– वे किस तरह का ईंधन इस्तेमाल करते हैं, लकड़ी, मिट्टी का तेल या गैस। इनमें से कोई दो ईंधन। या तीनों?

हर हफ्ते उनको कितनी ज़रूरत पड़ती है– लकड़ी के कितने गट्ठे या कितने लीटर मिट्टी का तेल?

यह जानकारी मिलने पर तालिका के सही कॉलम में भर दो।

घर संख्या	परिवार के मुखिया का नाम	परिवार में कुल कितने लोग है	पानी का स्रोत		पानी का उपयोग प्रति दिन (बाल्टी / गुंड)		ईंधन का उपयोग प्रति हफ्ते (गट्ठे / लीटर)		
			पीने का	अन्य	पीने का	अन्य	लकड़ी	मिट्टी का तेल	गैस

तुम्हारे मोहल्ले में सबसे अधिक पानी कौन–सा परिवार उपयोग करता है? क्या उसमें सबसे अधिक लोग हैं? यदि नहीं, तो इसका क्या कारण हो सकता है?

कुल मिलाकर तुम्हारे माहल्ले में कितने पानी का उपयोग होता है? तुम्हारे गाँव में कितने पानी का उपयोग होता है? तुम्हारे गाँव / मोहल्ले में पानी के कितने स्रोत हैं? क्या कभी पानी की कमी पड़ती है? क्या पानी पर कोई खर्च होता है? (ऐसे ही सवाल ईंधन के बारे में)

जैसे तुमने ईंधन या पानी के बारे में सर्वे से जानकारी ली उसी तरह और चीज़ों के बारे में पता कर सकते हो जैसे पेड़ और उनके प्रकार, दुधारु पशु, अनाज और कौन क्या–क्या काम करता है आदि।

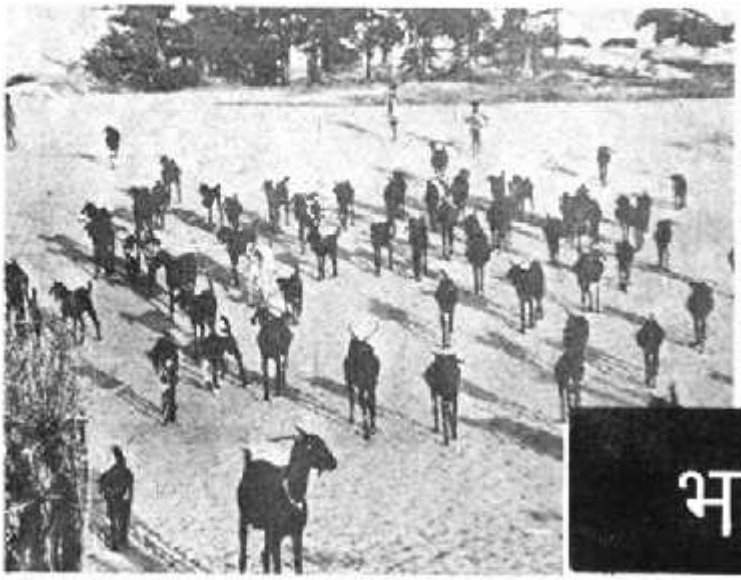

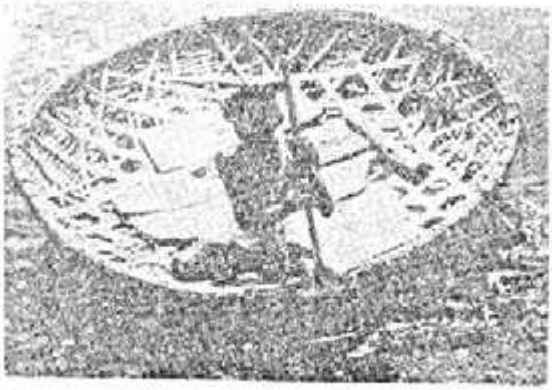

भारत के नज़ारे

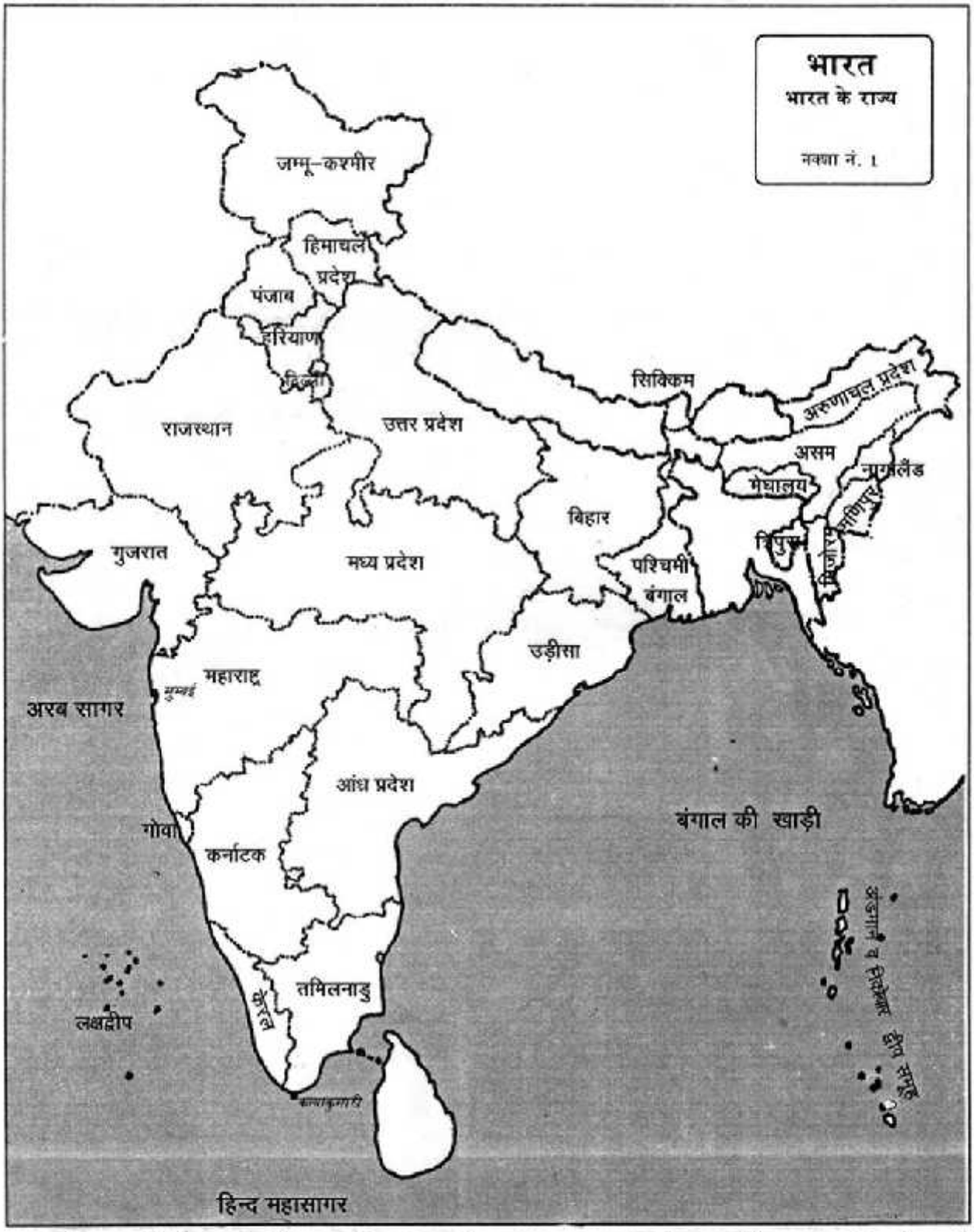

भारत के राज्यों को नक्शे में पहचानो। रंग करो। राज्य का नाम और उसकी राज धानी की सूची बनाओ। यदि तुम्हारे स्कूल में भारत जोड़ो खेल है तो गुरुजी से लेकर यह खेल खेलो।

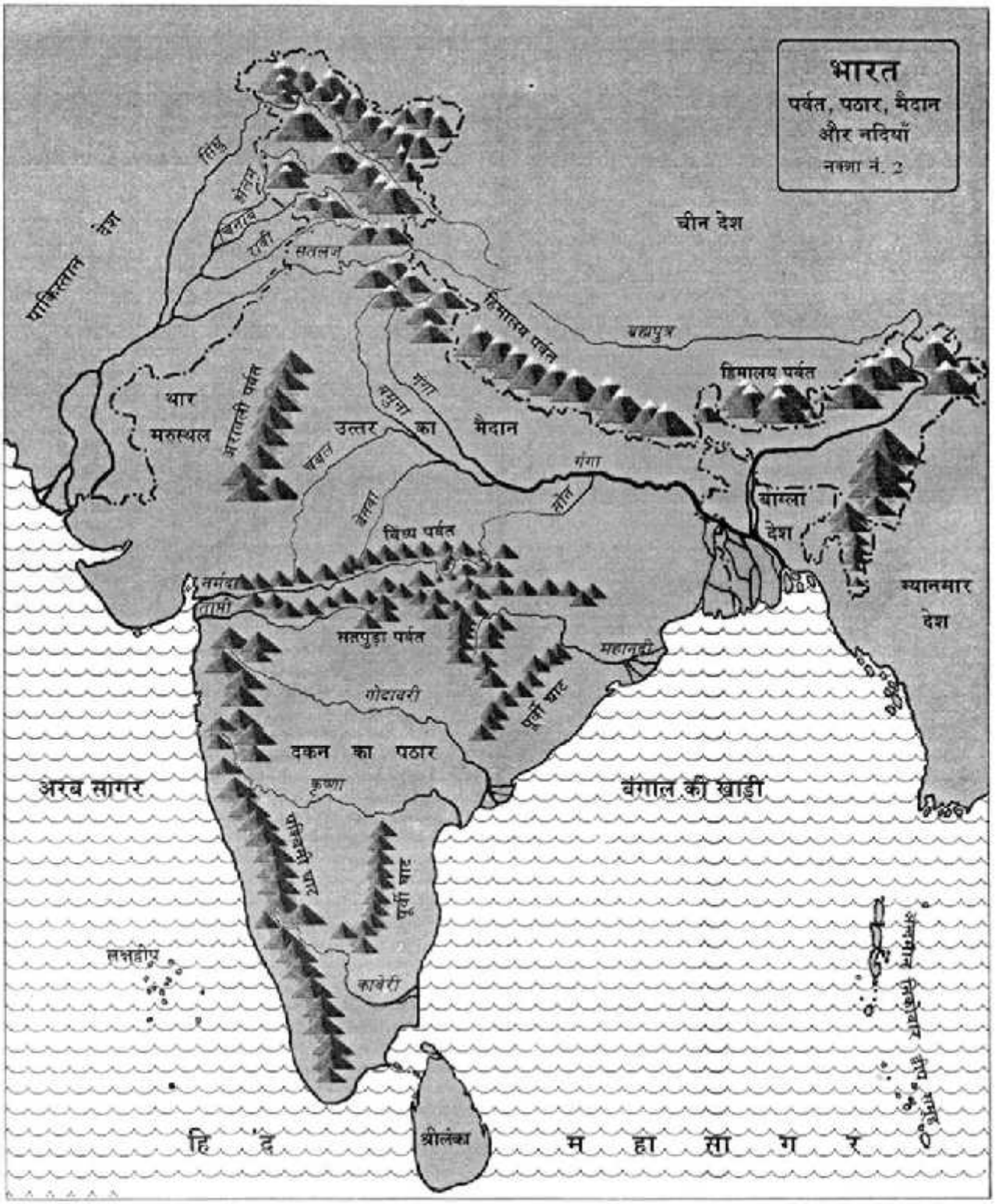

संकेत

भारत की सीमा

तट रेखा

(ज़मीन और पानी के बीच की रेखा)

ज़मीन

नदियाँ

पर्वत

सागर

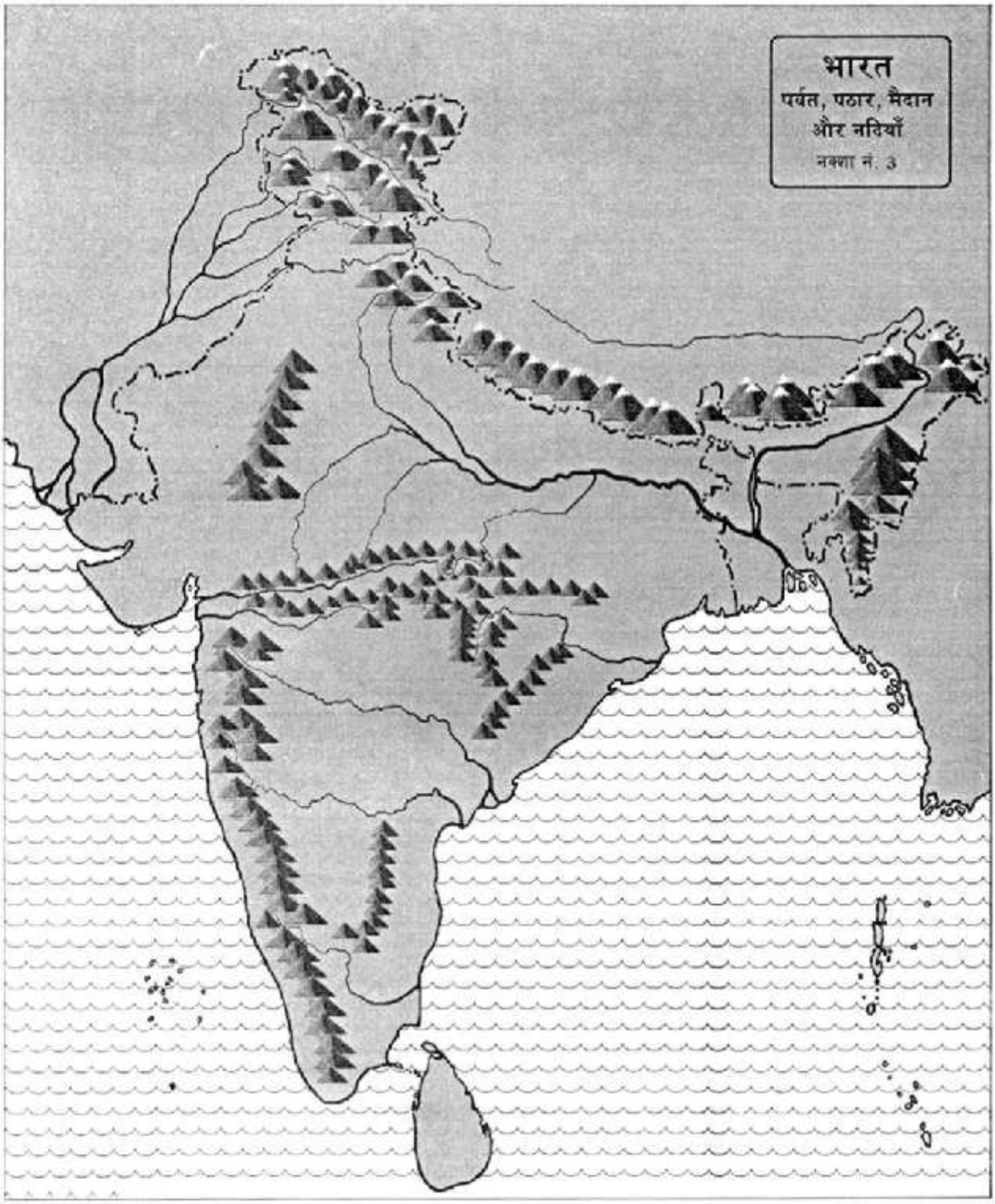

अब तुम नक्शा देखकर ***संकेत*** *भर दो*

भारत की सीमा	पर्वत
ज़मीन	नदियाँ
तट रेखा	सागर
(ज़मीन और पानी के बीच की रेखा)	

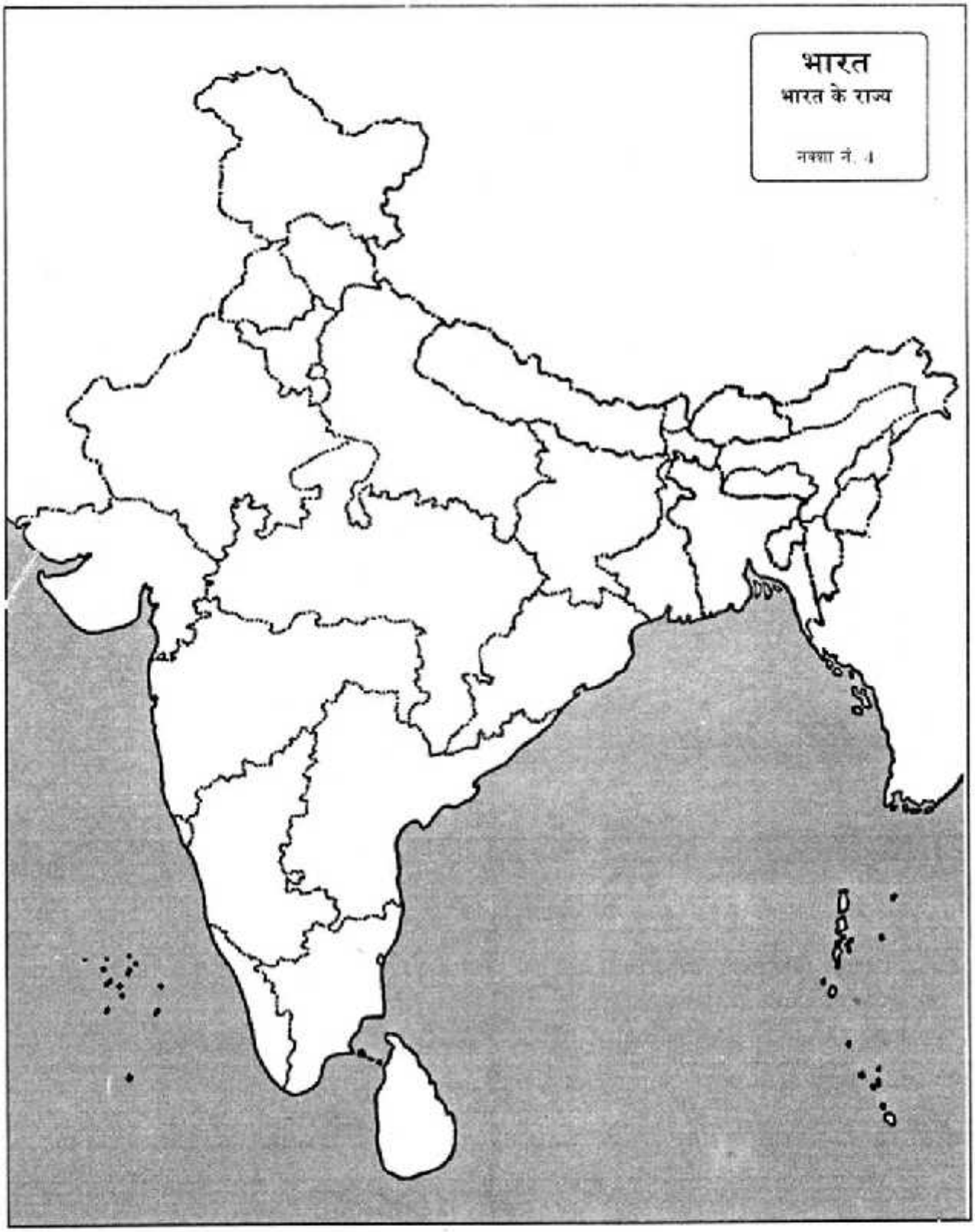

नक्शा नं. 4 में सारे राज्यों के नाम भरो और हरेक राज्य को अलग–अलग रंग से रंगो। ध्यान रहे कि एक दूसरे से लगे हुए राज्यों के रंग एक से न हो